The Research Dialogue

An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed / Refereed Research Journal
ISSN: 2583-438X
Volume-1, Issue-3, October 2022
www.theresearchdialogue.com

"माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की कोरोनावायरस के प्रति जागरूकता का अध्ययन"

सोनम दुबे
असिस्टेन्ट प्रो0
एम0एस0सी0,एम0एड0
मोहिनी बी0 मनवाणी गर्ल्स डिग्री कॉलेज

सारांश :

जागरूकता किसी भी समस्या के समाधान के लिए एक सरलतम व आवश्यक साधन है। अंग्रेजी में एक कहावत भी है, Precaution is better than cure अर्थात उपचार से सावधानी बेहतर है। 2019 दिसंबर में वुहान शहर से फैले कोरोनावायरस ने महामारी का रुप इसी कारण से ले लिया क्योंकि लोगों को न ही इसके विषय में जानकारी थी और न ही वे इसके लिए जागरूक थे। वैश्विक स्तर पर इस महामारी के कारण अनेकों समस्याओं का सामना किया गया किंतु अभी भी लोगों को कोरोनावायरस के विषय में संपूर्ण जानकारी नहीं है। प्रस्तुत शोध में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की कोरोनावायरस के प्रति जागरूकता का अध्ययन किया गया है। न्यादर्श के रूप में माध्यमिक स्तर की कक्षा दसवीं के लगभग 100 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। आंकड़ों के संकलन के लिए स्वनिर्मित जागरूकता मापनी का प्रयोग किया गया है। प्राप्त आंकड़ों से यह निष्कर्ष निकाला गया कि माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं की कोरोनावायरस के प्रति जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नहीं है। प्राप्त आंकड़ों से यह भी ज्ञात होता है की विद्यार्थियों को कोरोना के लक्षणों के विषय में अपेक्षाकृत कम जानकारी है।

प्रस्तावना

किसी व्यक्ति के जीवन में आने वाली समस्याओं का समाधान व्यक्ति तभी कर सकता है जब वह अपनी समस्याओं के कारणों, उससे बचाव, तथा उसके नियंत्रण के प्रति जागरूक हो। बड़ी से बड़ी परेशानी से बचने में यही जागरूकता व्यक्ति के लिए सहायक सिद्ध होती है। वर्ष 2019 के अंत में चीन से प्रारंभ हुए कोरोनावायरस ने वैश्विक स्तर पर जिस संकट को जन्म दिया उसके विध्वंसक परिणाम हम सभी के सामने हैं। ब्व्टप्क19 एक प्रकार का वायरस है जो एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में छींकने या खांसने से आई क्तवचसमजे से संचारित होता है। इसे कोविड–19 वायरस का नाम दिया गया है क्योंकि इसे 2019 में खोजा गया। कोरोनावायरस एक संक्रामक बीमारी है जो एक नए खोजे गए कोरोनावायरस के कारण होती है। कोरोनावायरस से संक्रमित अधिकांश लोग हल्के से मध्यम श्वसन बीमारी का अनुभव करेंगे और विशेष उपचार की आवश्यकता के बिना ठीक हो जाएंगे, वृद्ध लोगों और हृदय की बीमारी,मधुमेह ,पुरानी श्वास की बीमारी और कैंसर जैसी अंतर्निहित चिकित्सा समस्याओं वाले लोगों में गंभीर बीमारी विकसित होने की अधिकांश संभावना है इसलिए आवश्यक है कि कोरोनावायरस के लक्षणों का अनुभव होने पर तुरंत जांच कराई जाए। ब्व्टप्क का महामारी बनने का कारण यही था कि इसके प्रति लोगों को ना ही जानकारी थी और ना ही लोग इसके प्रति जागरूक थे। इस तरह का संकट दोबारा उत्पन्न ना हो इसके लिए आवश्यक है कि लोगों को कोरोनावायरस के कारणों व बचाव की जानकारी दी जाए। लोगों को कोरोनावायरस तथा उससे बचाव के प्रति जागरूक किया जाए जिससे भविष्य में इस तरह की समस्या उत्पन्न ना हो। इसके लिए कोविड टीकाकरण प्रारंभ किया गया है जिसमें सभी को हिस्सा लेना चाहिए। समाज को जागरूक करने का एक बहुत अच्छा साधन हमारे छात्र होते हैं इसलिए उनका इन समस्याओं के प्रति जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है

भारत सरकार ने कोविड–19 की जानकारी सुलभ कराने के लिए कोविड–19 का एक वैज्ञानिक इंटरनेट पोर्टल लॉन्च किया, यह वेबसाइट कोविड–19 प्रकोप के जवाब में संसाधनों के संग्रह को एक साथ लाने के लिए एक धुरी का कार्य करती है। यह जानकारी रोग की सर्वोत्तम वैज्ञानिक समझ पर आधारित है। विद्यार्थियों तक इन सभी संसाधनों की जानकारी पहुंचाना आवश्यक है ताकि वह कोविड–19 जैसी गंभीर समस्या के विषय में पूर्णतया व वैज्ञानिक जानकारी हासिल कर सकें तथा समाज में उत्पन्न हो रहे भ्रमों से दूर रह सकें। जैसे कुछ भ्रांतियां है जो कोविड–19 के प्रति बहुत

अधिक फैलाई गई जैसे कि मौसम का विषाणु के प्रसार के साथ कोई संबंध है या नहीं, यह अभी तक साबित नहीं हुआ कि विषाणु जानवरों, मच्छरों, आदमियों के माध्यम से फैलता है, गर्म पानी पीने या गर्म पानी से स्नान करने से यह नियंत्रित होता है अथवा नहीं, शराब या क्लोरीन से, किसी एंटीबायोटिक दवा या लहसुन से विषाणु नष्ट या बेहतर होता है या नहीं, इस तरह की अनेक भ्रांतियां व गलत जानकारियां समाज में फैली हुई हैं जिन्हें दूर करना अत्यंत आवश्यक है।ॅभ विश्व स्तर पर विषाणु के खिलाफ लड़ाई के संयोजन में अग्रणी रहा है। नैदानिक निष्कर्ष उपलब्ध होते ही यह संबंधित स्तरों पर अद्यतन जानकारी प्रदान करता है इन सभी भ्रांतियों से समाज को दूर रखने के लिए कोरोना के विषय में सही जानकारी व जागरूकता का होना अत्यंत आवश्यक है ताकि समाज को कोविड–19 से बचाव के लिए प्रेरित तथा जागरूक किया जा सकें। इस शोध का उद्देश्य छात्रों की कोरोनावायरस के प्रति जागरूकता का अध्ययन करना ही है।

शोध के उद्देश्य ;वइरमबजपअम व िजीम ेजनकलद्ध

शोध के उद्देश्य निम्नानुसार है

1. विद्यार्थियों की करोना महामारी के प्रति जागरूकता का अध्ययन करना।
2. विद्यार्थियों की कोरोनावायरस के कारणों प्रति जागरूकता का अध्ययन करना।
3. विद्यार्थियों की करोना महामारी के लक्षणों के प्रति जागरूकता का अध्ययन करना।
4. विद्यार्थियों की कोरोनावायरस के नियंत्रण के प्रति जागरूकता का अध्ययन करना।

परिकल्पनाएं (Hypothesis)

प्रस्तुत शोध की परिकल्पनाएं निम्नलिखित हैं

1. कोरोना महामारी की सामान्य जानकारी के प्रति माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं की जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
2. कोरोना महामारी के लक्षणों के प्रति माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं की जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
3. कोरोना महामारी के कारणों के प्रति माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं की जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

4. कोरोना महामारी के नियंत्रण के प्रति माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं की जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

परिसीमन (Delimitation)

अध्ययन कानपुर जिले के कल्याणपुर विकासखंड के अंतर्गत आने वाली माध्यमिक स्तर की कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों तक परिसीमित है।

शोध प्रक्रिया ;त्मेमंतबी चतवबमेद्ध

शोध विधि ;त्मेमंतबी उमजीवकद्ध

इस अध्ययन हेतु वर्णनात्मक सर्वेक्षण शोध विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श (Sample)

कानपुर जिले के कल्याणपुर विकासखंड के 3 विद्यालयों के माध्यमिक स्तर के 100 विद्यार्थियों (50 छात्र व 50 छात्राओं) का चयन यादृच्छित न्यादर्श चयन विधि से किया गया।

उपकरण (Tool)

प्रस्तुत शोध अध्ययन में आंकड़ों के संकलन हेतु स्वनिर्मित उपकरण का प्रयोग किया गया।

चर (Variables)

स्वतंत्र चर – कोरोना महामारी

आश्रित चर –विद्यार्थियों की जागरूकता

नियंत्रित चर – माध्यमिक स्तर

सांख्यिकीय विश्लेषण

प्रस्तुत शोध में सांख्यिकी विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन, मध्यमान के अंतर की सार्थकता (मान) की गणना की गयी है।

परिकल्पना क्रमांक 1

"कोरोना महामारी की सामान्य जानकारी के प्रति माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं की जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नहीं है"

	N	M	S.D.	σ_p	C.R.	सार्थकता स्तर
छात्र	50	3.9	1.044			0.05 सार्थकता स्तर पर अन्तर सार्थक नहीं है।
छात्राएं	50	3.82	1.033	0.6511	0.122	

माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं की कोरोनावायरस के प्रति सामान्य जानकारी के मध्यमानो के अंतर की सार्थकता की जांच टी परीक्षण द्वारा की गई। जिसका मान 0.122 प्राप्त हुआ 0.05 सार्थकता स्तर पर टी का सारणीगत मान 1.96 है। गणना द्वारा प्राप्त मान सारणीगत मान से कम है अतः परिकल्पना 01 स्वीकृत की जाती है परीक्षण से प्राप्त निष्कर्ष से यह ज्ञात होता है कि माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं की कोरोनावायरस के प्रति सामान्य जानकारी में अंतर सार्थक नहीं है

परिकल्पना क्रमांक 2

" कोरोना महामारी के लक्षणों के प्रति माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं की जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नहीं है"

	N	M	S.D.	σ_d	C.R.	सार्थकता स्तर
छात्र	50	3.8	0.877			0.05 सार्थकता स्तर पर अन्तर सार्थक नहीं है।
छात्राएं	50	3.92	0.959	0.1857	0.646	

माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं की कोरोनावायरस के लक्षणों के प्रति जागरूकता के मध्यमानो के अंतर की सार्थकता की जांच टी परीक्षण द्वारा की गई, जिसका मान 0.646 प्राप्त हुआ। 0.05 सार्थकता स्तर पर टी का सारणीगत मान 1.96 है। गणना द्वारा प्राप्त मान सारणीगत मान से कम है अतः परिकल्पना 02 स्वीकृत की जाती है। परीक्षण से प्राप्त निष्कर्ष से यह ज्ञात होता है कि माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं की कोरोनावायरस के लक्षणों के प्रति जागरूकता में अंतर सार्थक नहीं है।

परिकल्पना क्रमांक 3

"कोरोना महामारी के कारणों के प्रति माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं की जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नहीं है"

	N	M	S.D.	σ_p	C.R.	सार्थकता स्तर
छात्र	50	4.6	0.854			0.05 सार्थकता स्तर पर अन्तर सार्थक नहीं है।
छात्राएं	50	4.54	0.4983	0. 1398	0.429	

माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं की कोरोना महामारी के कारणों के प्रति के मध्यमानो के अंतर की सार्थकता की जांच टी परीक्षण द्वारा की गई जिसका मान 0.429 प्राप्त हुआ 0.05 सार्थकता स्तर पर टी का सारणीगत मान 1.96 है। गणना द्वारा प्राप्त मान सारणीगत मान से कम है अतः परिकल्पना 03 स्वीकृत की जाती है परीक्षण से प्राप्त निष्कर्ष से यह ज्ञात होता है कि छात्र–छात्राओं की कोरोनावायरस के कारणों के प्रति जागरूकता में अंतर सार्थक नहीं है।

परिकल्पना क्रमांक 4

" कोरोना महामारी के नियंत्रण के प्रति माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं की जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नहीं है"

	N	M	S.D.	σ_p	C.R.	सार्थकता स्तर
छात्र	50	4.8	0.984			0.05 सार्थकता स्तर पर अन्तर सार्थक नहीं है।
छात्राएं	50	4.7	0.4582	0.1536	0.651	

माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं की कोरोना महामारी के नियंत्रण के प्रति जागरूकता के मध्यमानो के अंतर की सार्थकता की जांच टी परीक्षण द्वारा की गई, जिसका मान 0.651 प्राप्त हुआ। 0.05 सार्थकता स्तर पर टी का सारणीगत मान 1.96 है। गणना द्वारा प्राप्त मान सारणीगत मान से कम है अतः परिकल्पना 04 स्वीकृत की जाती है परीक्षण से प्राप्त निष्कर्ष से यह ज्ञात होता है कि माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं की कोरोनावायरस के नियंत्रण के प्रति जागरूकता में अंतर सार्थक नहीं है।

निष्कर्ष– प्रस्तुत लघु शोध में संकलित आंकड़ों के सांख्यिकीय विश्लेषण से प्राप्त निष्कर्ष निम्नलिखित हैं

1. कक्षा दसवीं के छात्र–छात्राओं की कोरोनावायरस के प्रति सामान्य जानकारी में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया
2. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की कोरोनावायरस के लक्षणों के प्रति जागरूकता में सार्थक अंतर नहीं है
3. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की कोरोनावायरस के कारणों के प्रति जागरूकता में सार्थक अंतर नहीं है
4. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की कोरोनावायरस के नियंत्रण के प्रति जागरूकता में सार्थक अंतर नहीं है

सुझाव (Suggestion)

शोध निष्कर्षों के आधार पर निम्नलिखित सुझाव प्रस्तुत है।

1. विद्यार्थियों को कोरोनावायरस के सामान्य जानकारी तथा उसके विभिन्न रूपों के विषय में जानकारी देने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया जाना चाहिए।
2. विद्यार्थियों को कोरोनावायरस से नियंत्रण हेतु पालन करने के लिए सभी नियमों की जानकारी विस्तृत रूप से प्रदान की जानी चाहिए।
3. कोरोनावायरस हो जाने पर क्या सावधानियां बरतनी है इसके संबंध में भी विद्यार्थियों को जानकारी प्रदान की जानी चाहिए।
4. कोरोनावायरस के टीकाकरण अभियान के साथ–साथ एक जागरूकता अभियान भी चलाया जाना चाहिए ताकि कोरोनावायरस के विषय में लोगों को सही जानकारी प्राप्त हो सके तथा वे लापरवाही ना बरतें।

संदर्भ

1- Bisar Rukzana, Dharman Dhanya (2021) Þa questionnaire based survey on assessing the level of awareness and knowledge of covid&19 pandemic among public"

2. सिंह ,आशीष कुमार, अग्रवाल भारती : ब्ट्प्क19: भारतीय समाज में ज्ञान और जागरूकता का आंकलन

3. सिंह राघव, शैलेंद्र कुमार (2020) वैश्विक महामारी कोविड–19 की नैदानिकी और वैक्सीन की उपलब्धता

4-www-mohfw-gov-in

5-www-ncbi-nlm-nih-gov

THE RESEARCH DIALOGUE

An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed / Refereed Research Journal
ISSN: 2583-438X
Volume-1, Issue-3, *October* 2022
www.theresearchdialogue.com
Certificate Number-Oct-2022/12

Certificate Of Publication

This Certificate is proudly presented to

सोनम दुबे

For publication of research paper title

"माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की कोरोनावायरस के प्रति जागरूकता का अध्ययन"

Published in 'The Research Dialogue' Peer-Reviewed / Refereed Research Journal and
E-ISSN: 2583-438X, Volume-01, Issue-03, Month October, Year- 2022.

Dr.Neeraj Yadav
Executive Chief Editor

Dr.Lohans Kumar Kalyani
Editor-in-chief

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at www.theresearchdialogue.com